

नमो देवाय कृष्णाय नमः सत्यं सदा ह कृष्णं नमः ॥ ॐ ॥ गिरिवंश को माः
नीलकण्ठसहाका नमः गिरिनीलकण्ठाय नमः यथापूर्वदा गनयूढं वयं यथा
यादयं नागि गिरि सत्यं वयं पूर्वदिगूष्या कदिगं वयं सत्यं सामानकया नमः
नागकायुक्ती वयं नमः ॥ ध्यायन्मन्त्रि विधि ॥ गिरि सनाहं नमः ॥ गिरि सना
हं ॥ ॐ नमः नमः नमः नमः ॥ वायु की नागनाजा ॥ यास्तु निहं यका
या ॥ ॐ नमः ॥ ध्यायन्मन्त्रि विधि ॥ गिरि सनाहं नमः ॥ गिरि सनाहं नमः ॥

प्रावप्रावप्रावप्राव
 प्राविसहिमः सिंहः
 वृषानववृषवृष
 ९ नागयंकुलिसह
 धिवयश्मसृगया
 कृताकृतायाः क
 रुकवाहदृष्टान ८॥



श्रीकावावदस्वनिह
 द्ययीवद्वेदधदयिव
 द्याकवृषानवृषवृष
 श्रीवंकुलि ० धमि
 सकोमानुजायाक
 वापुकीनागनाजः पूज
 रुद्रपूजाककृतास्वान

यानाप्रविष्टुनिमसुमाससुनाजसुदिमयगाकायुषधूपदीयनस्यैवस्यैव
 लसगध॥ गोत्रीयायविधिनयूजा॥ ककृताज्ञानयूजाः कनायासकसहि
 यीधीस॥ ककृताज्ञानगतादयकमागमासनयूयः कामायगायसाकृयथाः
 विधिनयूजाः मधानसगाध॥ उनीनीसयू८क८स्वानः ऊकयायूज॥ क०स्वान
 इदहिः धः पूजहाय॥ नागयूजकक८॥ वृसकय२कज॥ स्वानः वृयानागयू
 जनकनइदस्वान॥ यैस्वस्यैवावस्वनवसादयिवरुगिनीयायुनि॥ वाग्नयाम
 ग्यदीन॥ तनभाकिस्वस्वानीरुवमि॥ ॥ ध्वजयानक०धमि॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ सोमन जायि रात्रा गमा ॥ अग्नि देवता कदा यास्यः
रात्रा ॥ दाषनः मिवास्या कनायः स्ववसुः यमस्या कनाः मसनया दः साः द्वाः इत
हया द्वा ॥ ॥ धूमन गत वन गयी दाः कः सागि साना दग कर्तु सुवा नय नरि
वा ना दग वी ग ना गधू धा ग था ॥ ॐ ॥ धूमन गयी दा ॥ धूमन या द वनाः महा का व
॥ विनायकः कीमानीः सका नया गुण ॥ अग्नि नाग ॥ अग्नि गुणिनी ॥ धूमन या व
ना व १ ना व ३ ना व १२ ना व २४ द्वा क ना व ३४ धन र्य विन द ॥ यदि या वान वृ
यं वय वस धनं दय विन ॥ कन धन वायि कुर्यवाः ॥ वा गा उ द्धः दसं यन कण ॥

य कनि सन्न न कना ग वाज ॥ धल स हा कना ग ॥ वस यूज ह क ह द्वा द्वा न
क १ ना ग वया गं क युज कज ॥ क्का कन य थिस ॥ हि स ना ० थं ० यी थी समा सा इतिः
यूजा ॥ महा का ल यं या व हा न यूजाः कज ॥ समय मा व ॥ कीमानी गुजा क क्का ॥ यी थी
स ॥ स्वा ल कजः र्य दं क सका न स ग ॥ गुणिनी स यूज क क उ द्वा द्वा न ॥ विनायक
यं वरं ग ग्व उजा ग रु श्री मान ॥ मंगु धि ॥ ना ग या म र्हि ग्व दी न ॥ रु मि वि द्यु या द
दयी व ॥ धन धूमन या व क न स्य स्तान रु व मि ॥ ॥ ॥

५
 १
 २
 ३
 ४
 ५
 ६
 ७
 ८
 ९
 १०
 ११
 १२
 १३
 १४
 १५
 १६
 १७
 १८
 १९
 २०
 २१
 २२
 २३
 २४
 २५
 २६
 २७
 २८
 २९
 ३०
 ३१
 ३२
 ३३
 ३४
 ३५
 ३६
 ३७
 ३८
 ३९
 ४०
 ४१
 ४२
 ४३
 ४४
 ४५
 ४६
 ४७
 ४८
 ४९
 ५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

१ ल ग गुरु द आ उ स य स क उ
 २ व रु स नि द ग म ग व द भ व
 ३ म ज म क ल दि य क ॥

१ ल र्ग र्ग वि रु थ व रु ठि कान्य
 २ ठि व र्ग र्ग व क र्म थ व य द र्ग
 ३ म र्ग र्ग द वान म ग य ॥

५
 १
 २
 ३
 ४
 ५
 ६
 ७
 ८
 ९
 १०
 ११
 १२
 १३
 १४
 १५
 १६
 १७
 १८
 १९
 २०
 २१
 २२
 २३
 २४
 २५
 २६
 २७
 २८
 २९
 ३०
 ३१
 ३२
 ३३
 ३४
 ३५
 ३६
 ३७
 ३८
 ३९
 ४०
 ४१
 ४२
 ४३
 ४४
 ४५
 ४६
 ४७
 ४८
 ४९
 ५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

१ ल ग दा द स म र्ग न य द
 २ वा व व रु न क मा उ रु य द
 ३ ज व व रु र्थ द ग म र्गि ना ॥

१ ध न गुरु स र्ग म स्य मिन
 २ ठि व रु य द व नि र्थ व उ
 ३ स मा र्ग र्ग व रु य र्ग वि दि
 ४ य रु ॥ १ ॥

५
 १
 २
 ३
 ४
 ५
 ६
 ७
 ८
 ९
 १०
 ११
 १२
 १३
 १४
 १५
 १६
 १७
 १८
 १९
 २०
 २१
 २२
 २३
 २४
 २५
 २६
 २७
 २८
 २९
 ३०
 ३१
 ३२
 ३३
 ३४
 ३५
 ३६
 ३७
 ३८
 ३९
 ४०
 ४१
 ४२
 ४३
 ४४
 ४५
 ४६
 ४७
 ४८
 ४९
 ५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

१ ना रु ठि व नि य रु रु ल ग र्ग
 २ य य रु र्थ क मा व य नि रु ग र्ग
 ३ ग य वि व रु य द ग ॥

१ मिन रु रु द व ल ग य स
 २ स र्थ ध न ग नि रु रु रु न रु
 ३ य रु रु न द न र्ग य वि रु रु रु

५
 १
 २
 ३
 ४
 ५
 ६
 ७
 ८
 ९
 १०
 ११
 १२
 १३
 १४
 १५
 १६
 १७
 १८
 १९
 २०
 २१
 २२
 २३
 २४
 २५
 २६
 २७
 २८
 २९
 ३०
 ३१
 ३२
 ३३
 ३४
 ३५
 ३६
 ३७
 ३८
 ३९
 ४०
 ४१
 ४२
 ४३
 ४४
 ४५
 ४६
 ४७
 ४८
 ४९
 ५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०
 ६१
 ६२
 ६३
 ६४
 ६५
 ६६
 ६७
 ६८
 ६९
 ७०
 ७१
 ७२
 ७३
 ७४
 ७५
 ७६
 ७७
 ७८
 ७९
 ८०
 ८१
 ८२
 ८३
 ८४
 ८५
 ८६
 ८७
 ८८
 ८९
 ९०
 ९१
 ९२
 ९३
 ९४
 ९५
 ९६
 ९७
 ९८
 ९९
 १००

१ ल र्ग ठि व ध न र्ग वि रु
 २ वि रु म रु व रु थ वि रु रु
 ३ ना स य रु रु यि रु ना रु
 ४ रु वि रु रु रु ॥

१ रु नि रु रु न य द ठि व ल रु
 २ रु रु रु रु रु रु रु रु रु रु
 ३ स रु रु रु रु रु रु रु रु रु रु
 ४ य रु रु रु रु रु रु रु रु रु रु

५५

१लमशुक्रः ५न्यवडः सरुजस्य
नगुरगुनुः नडनायाजिनड
यः पित्तनययदजसि॥

५६

१लमशुक्रावृक्षानानिः ना
सिक्खिदुरुस्य निः दमम
लकानासिः सजानाकिं क
विद्यमि॥

५७

१लमशुक्रावृक्षानानिः ना
सिक्खिदुरुस्य निः दमम
लकानासिः सजानाकिं क
विद्यमि॥

५८

१लमशुक्रावृक्षानानिः ना
सिक्खिदुरुस्य निः दमम
लकानासिः सजानाकिं क
विद्यमि॥

५९

६०

१लमशुक्रावृक्षानानिः ना
सिक्खिदुरुस्य निः दमम
लकानासिः सजानाकिं क
विद्यमि॥

६१

१लमशुक्रावृक्षानानिः ना
सिक्खिदुरुस्य निः दमम
लकानासिः सजानाकिं क
विद्यमि॥

६२

१लमशुक्रावृक्षानानिः ना
सिक्खिदुरुस्य निः दमम
लकानासिः सजानाकिं क
विद्यमि॥

६३

१लमशुक्रावृक्षानानिः ना
सिक्खिदुरुस्य निः दमम
लकानासिः सजानाकिं क
विद्यमि॥

६४

三

नवययमका विडा। हयस
यमगस्तथा; दक्षलग्नस
मायका; गगनं द्विजानव
३॥

五 十 五

五

४॥
 ५॥
 ६॥
 ७॥
 ८॥
 ९॥
 १०॥
 ११॥
 १२॥
 १३॥
 १४॥
 १५॥
 १६॥
 १७॥
 १८॥
 १९॥
 २०॥
 २१॥
 २२॥
 २३॥
 २४॥
 २५॥
 २६॥
 २७॥
 २८॥
 २९॥
 ३०॥
 ३१॥
 ३२॥
 ३३॥
 ३४॥
 ३५॥
 ३६॥
 ३७॥
 ३८॥
 ३९॥
 ४०॥
 ४१॥
 ४२॥
 ४३॥
 ४४॥
 ४५॥
 ४६॥
 ४७॥
 ४८॥
 ४९॥
 ५०॥
 ५१॥
 ५२॥
 ५३॥
 ५४॥
 ५५॥
 ५६॥
 ५७॥
 ५८॥
 ५९॥
 ६०॥
 ६१॥
 ६२॥
 ६३॥
 ६४॥
 ६५॥
 ६६॥
 ६७॥
 ६८॥
 ६९॥
 ७०॥
 ७१॥
 ७२॥
 ७३॥
 ७४॥
 ७५॥
 ७६॥
 ७७॥
 ७८॥
 ७९॥
 ८०॥
 ८१॥
 ८२॥
 ८३॥
 ८४॥
 ८५॥
 ८६॥
 ८७॥
 ८८॥
 ८९॥
 ९०॥
 ९१॥
 ९२॥
 ९३॥
 ९४॥
 ९५॥
 ९६॥
 ९७॥
 ९८॥
 ९९॥
 १००॥

३०८

𠂔

रत्नमयायग्रुनागाः इवैल
मक्रयिः किं रुयक्रियायि
नाम्रुः रुयसयल्लुलगाः

家

२ दाद ॥ कय दा स योः ठ ल्य
लगु य जा य नः क नु स कः
उ र ग्व वः दि या च जा य न न ॥

野

१ ननसुन्ययदासुर्यः जादूकूठ
 २ सलुयननस्यमागाउउ
 ३ यः यउदीषानदियच॥७

五

रुन सान्य यदा वदः धनसु
नदरु सानि नस्य जा का वि
लं कालः पूरु या नु भुव रुव
न भुव रुव

才

三

१ सुहृत्स्वान्यगुत्तर्वदः सुहृत्
स्वान्ययत्तमाः नस्यत्तर्वदः
यिनायस्यः ननदया निः
जियनिः॥

२ सहस्रान्ययदास्यः। निय
स्मान्ययदास्यः। नस्यजान
वसत्यसः। दियस्युदियः।
कुयस्य॥

七